भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1114

उत्तर देने की तारीख: 07 फरवरी, 2020

फसल विज्ञान में यूके के साथ एमओयू

1114. श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने फसल विज्ञान में यूके सरकार के साथ किए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को औपचारिक रूप देने के दौरान निर्धारित किए गए विभिन्न लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा सरकार द्वारा इन लक्ष्यों और उद्देश्यों को कब तक प्राप्त किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार का अन्य देशों के साथ ऐसे एमओयू पर हस्ताक्षर करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी देश-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

(डॉ हर्ष वर्धन)

(**क**) **और (ख)** जी, हां विचाराधीन समझौता ज्ञापन के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए 13 संस्थान (यूके के 7 संस्थान और भारत के 6 संस्थान) एक साथ आए हैं और फसल विज्ञान में भारत-यूके की संयुक्त साझेदारी की स्थापना करने के अपने प्रयोजन को औपचारिक रूप से दर्ज किया है। इस समझौते पर 21/01/2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। 2020 से शुरू होने वाले 3 क्रमिक कैलेंडर वर्षों के लिए प्रति वर्ष 10 भारतीय पोस्टडॉक्टरल अध्येताओं को समर्थन दिया जाना है। यह साझेदारी बेहतर खाद्य सुरक्षा, पादपरोग जनकों/कीटों के बीच अंत:क्रिया, प्रजनन पूर्व गेंहू और कम्प्यूटेशनल जीव-विज्ञान के विकास पर ध्यान केन्द्रित किए जाने के साथ-साथ वर्धित अनुसंधान और ज्ञान के आदान-प्रदान से संबंधित है।

(**ग) से (ङ**) विभाग में ऐसे किसी अन्य प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार नहीं किया जा रहा है।

*****